में स्थिति स्पष्ट कर दी है और अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय तथ्यों को बहुत अच्छी तरह समझता है।

Falling in cost of living index in Tamil Nadu

3441. SHRI K. BALADHANDAYUTHAM : Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state :

(a) whether the cost of living index for the month of February, 1972 for Tamil Nadu showed a steep fall by 38 points, while the actual prices of essential commodities were in the upgrade, resulting in a big cut in the dearness allowance and consequent industrial unrest in the State ; and

(b) if so, whether Government will order a probe into the preparation of cost of living index to set at rest the apprehension of the people that there has been some manipulation ?

THE MINISTER OF LABOUR AND REHABILITATION (SHRI R. K. KHADILKAR) : (a) and (b). The Consumer Price Index for Madras City for February, 1972, converted to Base 1935-36=100, declined by 38 points as compared to the index for January, 1972, but it is not correct to say that the index has fallen even when the prices of the essential commodities were rising. In fact, there was a fall in the prices of a number of items, mainly in the Food Group, in February 1972. The average open market price of rice, for instance, declined from Rs. 1.40 to Rs. 1.23 per kilogram. Therefore, the question of any probe into the matter does not arise.

---

12 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

REPORTED INFILTRATION OF PAKISTANI RAZAKARS INTO INDIA

MR. SPEAKER : Shri Bade.

SHRI R. V. BADE (Khargone) : The statement has been circulated just now.

SHRI S. M. BANERJEE (Kanpur) : And nobody can read it because the impression is very faint.

अध्यक्ष महोदय : अब जो भी कुछ है उस से गुजारा करिए।

श्री एस० एम० बनर्जी : अध्यक्ष महोदय, पहले आप ही ने आर्डर दिया था कि आधा घंटा पहले यह मिल जाना चाहिए तो इतनी लाचारी क्या हो गई सरकार को ? साइक्लोस्टाईलिंग की कमी है या किस चीज की कमी है ?

MR. SPEAKER : Those motions come before the Speaker just a day ahead. Then they are accepted and at about quarter to eleven sent to the Ministry concerned. The time is so short. Sometimes the time taken in collecting information gets prolonged. Anyway, I have been urging that the information must be in the hands of the members at least half an hour earlier.

DR. RANEN SEN (Barasat) : And typed legibly.

SHRI S. M. BANERJEE : You got this call attention motion yesterday. It was balloted at 1 P. M. Members knew about it at 3 P. M. So it is not a fact that it was sent to the Ministry at quarter to eleven.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI K C. PANT) : I do not think hon. members really appreciate our difficulty in the matter. We have to approach the State Governments in all these matters happening in States ; we have no other agency. Sometimes on the replies given, we have to seek clarifications. We can circulate the information earlier, but in this particular case, for instance, I was trying to get information till the minute before I came in order to be able to give the House all the information.

MR. SPEAKER : I can postpone it to next week.

SHRI S. M. BANERJEE : Let us get good readable copies. Is the Government short of carbon papers ? This must be the thirteenth or fourteenth copy.

श्री बुक्तियार सिंह मलिक (रोहतक) : इसको पढ़ना ही आसान नहीं है। अभी चार रोज हुए आपको एक कागज दिखाया गया था जिसको पढ़ा नहीं जा सकता। आज भी जो यह मिला है इसे पढ़ नहीं सकते।

SHRI K. C. PANT : If it will satisfy them, I will read the statement at dictation speed.

श्री आर० वी० बड़े : अध्यक्ष महोदय, मैं अविलम्बनीय लोक महत्व के निम्नलिखित विषय की ओर गृह मंत्री का ध्यान दिलाता हूं और प्रार्थना करता हूं कि वह इस बारे में एक वक्तव्य दें :

"बिहार बंगाल और असम में दो हजार से भी अधिक सशस्त्र पाकिस्तानी रजाकारों के घुस आने के समाचार।"

SHRI K. C. PANT : Sir, Government's attention has been drawn to Newspaper Reports on the 18th April, 1972 that 1,806 armed Razakars had been rounded up in Bihar. Enquiries were made from the Government of Bihar, who have stated that the report is not correct. The Government of Bihar have also informed that on the 29th March, 18 persons were arrested in the Pyare Pur Diara area of Rajmohal Police Station, Santhal Parganas Six non-Bengali Muslims from Bangla Desh had earlier been arrested in the same area in the night between March 19th, and 20th. Of the 18 arrested on the 29th, only 9 belonged to Bangla Desh. One of the arrested persons is suspected to be a Razakar. Thus, only 15 persons from Bangla Desh without valid documents had been arrested during the second half of March. No arms and ammunition had been recovered from them. There has also been no report of any infiltration of Razakars from Bangla Desh into any of the border State during the recent weeks. Our border Authorities are fully vigilant and have taken adequate steps to prevent unauthorised entry of persons from across the border. The Government of Bihar have also informed that besides the 9 Indian nationals arrested on the 29th March, 3 other Indian nationals had also been arrested on the night of the 19th, for unlawfully providing shelter to foreign nationals without valid travel documents.

श्री आर० वी० बड़े : अध्यक्ष महोदय, अभी माननीय मंत्री जी ने स्टेटमेंट दिया कि बिहार गवर्नमेंट कहती है कि यह इनकरेक्ट है। लेकिन यह जो एक समाचार पत्र है पटना का "प्रदीप", उसमें लिखा हुआ है।

"संथाल परगना में 1800 रजाकार पकड़े गए। बिहार के राज्यमन्त्री श्री रमेश झा ने गत शनिवार को यहां पत्र प्रतिनिधियों से कहा कि संथाल परगना जिले में बंगला देश से घुस आए साघातिक शस्त्रों से लैश 1806 रजाकार हाल ही में पुलिस तथा सेना के संयुक्त प्रयास से पकड़ लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कुछ और रजाकार अभी छिपे हुए हैं। उनकी खोज जारी है।

पत्र प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए श्री रमेश झा ने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा कि कोई भी देश भक्त नागरिक इन रजाकारों को कैसे शरण दे सकता है? रजाकारों की इस घुसपैठ के विरुद्ध जनमत तैयार किया जाना चाहिए।

श्री झा ने कहा कि रजाकारों को शरण देने वाले अराष्ट्रीय तत्वों को कठोरतापूर्वक दंड दिया जाएगा। श्री झा ने कहा कि उन रजाकारों की घुसपैठ के कारण उत्तर बंगाल के सटे हुए भागों मे नक्सली गतिविधि काफी बढ़ गई है।

यह श्री रमेश झा जो वहां के गृह राज्य मंत्री हैं उन्होंने यह स्टेटमेंट दिया हैं पत्रकारों को। इसके साथ में आज का जो टाइम्स आफ इंडिया है उसमें भी आया है :

Rebels and Razakars fomenting trouble :

> Mizo and Naga rebels in league with Razakars and Al Badrs of Bangladesh and pro-Chinese tribals of Burma are working to forge a common front to foment trouble in the North-Eastern region of India and part of Bangladesh, according to authentic sources.
>
> According to six Arakan rebels held in the Union territory of Mizoram recently, these elements are in contact with one another.
>
> "Mizo rebels are also working with Razakars and Al Badr fanatics to create a stir among the Buddhist Chakmas of the Chittagong hill area".

It further says :

"Nine Razakars were arrested by

Bangladesh Rifles at Churkhai, East Sylhet, after a gun duel on April 13.

The Razakars, who were hiding in a hotel at Churkhai, shot it out with the police and inflicted 12 bullet injuries on a havildar before surrendering."

इसी तरह डकन हैरल्ड में 18-4-72 को यह निकला है कि त्रिपुरा असम और मेघालय में यही स्थिति है।

16-4-72 को रविवार हिन्दुस्तान में यह न्यूज है कि राजस्थान मे 12 पाक जासूस गिरफ्तार हुए हैं। यह सब युद्ध विराम के बाद हुआ है। इसी तरह से 12 अप्रैल के टाइम्स आफ इंडिया में भी न्यूज आई है।

11 अप्रैल को वीर अर्जुन में यह समाचार आया है :

बंगला देश के दिनाजपुर जिले से आए है। दिनाजपुर जिले की 112 किलोमीटर सीमा का कुछ भाग असुरक्षित है। बिहार सरकार के कुछ अधिकारियों ने पुष्टि की है और कहा कि पुलिस इन मुस्लिमों की तलाश कर रही है जो अपनी रजिस्ट्री कराए बिना अपने संबंधियों के पास रह रहे हैं। बंगला देश के प्रान्तीय सदस्य ने कहा कि दिनाजपुर से बिहारी मुस्लिमों का भारत में प्रवेश जारी है। उस में असामाजिक तत्व भी है।

इसके बाद टाइम्स आफ इंडिया मे 15 अप्रैल को यह समाचार आया है :

"A Pakistani spy was arrested today on the Rajasthan-Punjab border while on the way to Delhi, according to Home Ministry sources. The police have recovered some currency notes from him"

फिर लोक सभा में एक स्टेटमेंट दिया मुहम्मद शफी कुरैशी, उप मंत्री ने कि इस समय कुछ सदस्यों की कृपा से कुछ पाकिस्तानी कस्बे मे काम कर रहे हैं। उस के दूसरे ही दिन गुजरात विधान सभा में बताया गया कि लगभग 2 हजार पाकिस्तानी इस समय राज्य में रह रहे हैं जो भारत पाकिस्तान संघर्ष के समय चोरी छिपे भारत में प्रविष्ट हो चुके हैं। उन्हें रहने की सुविधा प्रदान की गई है, उनको पैसा दिया जा रहा है—स्वयं मुख्य मंत्री का बयान है—उन्हें सम्मानपूर्वक लौटाने के समय की प्रतीक्षा है। क्या उन्हें डिग्री देकर वापस करेंगे..

अध्यक्ष महोदय : आप प्रश्न पूछिये।

श्री आर० वी० बड़े : इतने अखबारों में ये खबरें आई है, इसलिये मुझे अपना केस इस को पढ कर डिफेण्ड करना पड़ रहा है।

अध्यक्ष महोदय : आप ने यहां आर्टीकल नही पढ़ना है, प्रश्न पूछना है।

श्री आर० वी० बड़े : इसी प्रकार से इन्दौर में भी पाकिस्तानी जासूसों के पास हथ-गोले निकले।

मैं पूछना चाहता हूं कि आप ने जो स्टेटमेंट दिया है और रमेश झा ने जो स्टेटमेंट दिया है, उसमें इतना अन्तर क्यों है ? क्या आप ने रमेश झा से इसके बारे में पूछा है ? जो शस्त्र पकड़े गये हैं, वे कहा से आये हैं ? जो 1806 रजाकार पकड़े जाने की बात उन्होंने कही है, वे कहां से आये हैं ? क्या बिहार बार्डर पर दीनाजपुर के आसपास आप की जो सुरक्षा की गतिविधियां हैं, वे ठीक है ?

दूसरा प्रश्न-जो 1500 पाकिस्तानी गुजरात मे पड़े हुए हैं, उनको कब वापस लौटाया जायगा ?

श्री कृष्ण चन्द्र पन्त : अध्यक्ष जी, जो मूल प्रश्न था, उसके उत्तर में जो सम्बन्धित सूचना थी, वह तो मैंने दे दी है, इस के अलावा अब और क्या सूचना माननीय सदस्य को दू, यह मेरी समझ में नहीं आता है। वह कहते हैं कि झा साहब का स्टेटमेंट था, मैंने बिहार सरकार से जो जवाब आया है, वह उनके सामने रखा हैं। बिहार सरकार ने कहा है कि यह सही नहीं है कि 1806 आये हैं, एक बार 18 आदमी पकड़े गये और एक बार 9 आदमी पकड़े गये। 18 में से 9 बंगला देश के लोग थे और 9 में से 6 थे। 9 हिन्दुस्तानी ऐसे थे जिन्होंने उनको शरण दी थी और उनकी सूचना

[श्री कृष्ण चन्द्र पन्त]

सरकार को नहीं दी थी। अब ऐसा नियम है कि बंगला देश या बाहर से कोई नागरिक आये तो उसकी सूचना सरकार को देनी पड़ती है। .....

श्री आर० बी० बड़े : मेरा सवाल था कि बिहार बार्डर पर प्रापर-प्रोटेक्शन हैं या नहीं। दीनाजपुर के लोगों का कहना है कि वहां प्रापर-प्रोटेक्शन नहीं है।

श्री कृष्ण चन्द्र पन्त : आपने पहला सवाल यह किया था कि झा साहब ने कोई स्टेटमेंट दिया है और उसके उत्तर में मैंने बताया कि बिहार सरकार ने कहा है कि वह गलत है। अब इसका सामंजस्य कैसे हो—मैं आपको वह सूचना दे सकता हूं जो बिहार सरकार ने मुझे दी है।

अगर आप मेरा अनुमान चाहते है तो मैं अपना अनुमान भी दे सकता हूं। उन्होंने कहा था कि 18 एक बार पकड़े गये और 6 एक बार पकड़े गये, हो सकता है कि यह 1806 बन गया हो। उसी समय के वहा के एक हिन्दी दैनिक "आर्यव्रत" में भी यह रिपोर्ट निकली है, जिसमें यह रिपोर्ट निकली है कि स्टेट मिनिस्टर ने कहा है कि 18 आर्म्ड रजाकार पकडे गये हैं राजमहल एरिये में। उसमें 1800 की खबर नहीं निकली है। ..(**व्यवधान**) ..झा साहब इस वक्त पटना में नहीं हैं, इस लिये मैं कोई निश्चित बात नहीं कह सकता, येह मेरा अनुमान मात्र है।

श्री फूल चन्द वर्मा (उज्जैन) : गुजरात के बारे में नहीं बताया।

श्री आर० बी० बड़े : गुजरात में 1500 पाकिस्तानी कैसे आ गये ?

अध्यक्ष महोदय : प्रश्न पूछने वाले को प्रश्न पूछने दीजिये, आप रजाकार न बनिये।

श्री कृष्ण चन्द्र पन्त : दूसरा प्रश्न यह था कि क्या हमारी सीमाओं पर इन्तजाम ठीक है ? जब पिछली बार गैर-बंगाली मुसलमानों के घुसने के बारे में काल-एटेन्शन आया था, तब मैंने बताया था कि वहां पर बी० एस० एफ० की चौकियां हैं जो सतर्क हैं और उनको फिर से कहा गया है कि वे ज्यादा सतर्क रहें। मैं अभी हाल में उस क्षेत्र में गया, कलकत्ता में पुलिस वालों और बी० एस० एफ० के लोगों से बात की थी और उन को सारी सीमा पर और ज्यादा सतर्क रहने के लिये कहा था।...

श्री आर० बी० बड़े : अध्यक्ष महोदय, टाइम्ज आफ इण्डिया ने कहा है.....

अध्यक्ष महोदय : अखबारों में बहुत कुछ निकलता है, लेकिन यह हाउस अखबारों की खबरों के कन्ट्राडिक्शन के लिये नहीं रह गया है, जो भी अखबारों में आये और मिनिस्टर उसको कन्ट्राडिक्ट करता रहे .....

श्री आर० बी० बड़े : लेकिन अध्यक्ष महोदय, हमारे माइण्ड में तो यह स्टेटमेन्ट था ..

अध्यक्ष महोदय : अखबारों में कई तरह की खबरें आती हैं, कोई कुछ लिखता है, उसे आप यहां ले आते हैं और मिनिस्टर कन्ट्राडिक्ट करता है—यह सब क्या हो रहा है।

श्री आर० बी० बड़े : अध्यक्ष महोदय, इसमे लिखा है .....

अध्यक्ष महोदय : उन्होंने आप के सवाल का जवाब दे दिया है।

श्री आर० बी० बड़े : उन्होंने जवाब नहीं दिया है। कछवाय साहब अगर गड़बड़ करते हैं तो आप नाराज होते हैं। हम सब साइलैंटली बैठते हैं, इसलिये मेरे प्रश्न का जवाब दिलवाइये। यह जो बर्मा बार्डर के बारे में रिपोर्ट आई है, इन के सेन्टर्स वहां पर हैं, इनके पास बराबर इन्फर्मेशन आती है, इसलिये पूछना चाहता हूं .....

अध्यक्ष महोदय : अगर आपके पास कोई इन्फर्मेशन है तो बता दीजिये।

श्री कृष्ण चन्द्र पंत : अध्यक्ष जी, आप

कहते हैं, तो मेरे पास कुछ सूचना है, लेकिन वह सवाल इससे उठता नहीं है। क्योंकि जिन लोगों की बात ये कहते हे वे हिन्दुस्तान में नहीं घुसे हैं, बल्कि जो हिन्दुस्तान में थे, वे हिन्दुस्तान से बाहर गये हैं। इसलिये यह सवाल इसमें उठता ही अलावा आज गृह मन्त्रालय की नहीं हैं। इसके डिमाण्ड्स पर बहस होगी . ..

अध्यक्ष महोदय : हमें थोड़ा सा केअरफुल रहना चाहिये, कभी कभी आप ऐसे मसलों पर जवाब देने के लिये मिनिस्टर को मजबूर करते हैं, जिनका जवाब देना ठीक नहीं होता है।

SHRI R. K. SINHA (Faizabad) : The hon. Minister's reply is very satisfactory, but as he has admitted, vigilance is very necessary.

I wish to draw his attention to the report which also appeared in the process that some of the documents which were gathered by the Bangla Desh Government said that 100,000 Razakars were trained in Bangla Desh by the Pakistani administration.

We must also remember that in the elections in India, political parties tried to use the question of the so-called Bihari Muslims in order to involve a certain section of the people in India.

There is a sinister international conspiracy which should be noted by the Government and more vigilance is necessary and because their language is the same and because they have relations on this side, infiltration is possible.

International overtones were lent to this problem by one Prof. Green who, addressing the Law Institute, said a few days back :

> "One must nor forget what was happening to Bihari Muslims in the new country.
>
> "Prof Green described as monstrous the tribunal set up under political pressure by the over-aged *Prima donna* who has never done any legal work in his life.
>
> "The pseudo Tribunal in Paris to try war crimes in Viet Nam had only contributed in destroying all judgements and respect for law in all its aspects.
>
> "According to Prof. Green, the proposed tribunal should be multi-national instead of being composed of Judges only from Bangla Desh."

I do not know why people are trying to create trouble between Bangla Desh and India. I would request the Minister to be more vigilant and I would like to have an answer.

SHRI S. M. BANERJEE : Who was presiding over this meeting ? Is it not a fact that the Chief Justice of India was presiding over it ?

SHRI K. C. PANT : We are vigilant along the border, but I would like to tell the House that a distinction should be made between Razakars and the so-called non-Bengali Muslims. A distinction must be made Razakars could be Bengalis and hon-Bengalism. All non-Bengalis can not be Razakars Therefore, one has to be careful in these matters.

SHRI INDRAJIT GUPTA (Alipore) : Why did you permit the Chief Justice of India to preside over it ? And, who is this American Professor who is permitted to say such things in our country ? Propoganda against a friendly country should not be permitted here. (*Interruption*).

SHRI K. C. PANT : The Chief Justice did not know about it ; I am sure if the Chief Justice had known about it that such statements would be made, he would not have agreed to preside. But I connot speak for him.

SHRI S. M BANERJEE : This meeting was presided over by the Chief Justice of India and it has come out in the newspapers.

MR. SPEAKER : Why are you bringing in the Chief Justice ? We have to be very cautious when we make such observations. The Law Institute invited certain people to address the meeting, It is not always that any person who comes should speak what you like. They express their views and the Chief Justice was presiding over the meeting. How are we concerned with it ?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI RAJ BAHADUR) : The Chief Justice is the ex-officio Chairman of the Law Institute and by a coincidence he was there.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (ग्वालियर) : चीफ जस्टिस का नाम घसीटने की जरूरत नहीं

[श्री अटल बिहारी बाजपेयी]

है लेकिन कोई विदेशी हमारे यहां आकर बंगला देश के खिलाफ बोले इस पर गम्भीरता से नजर रखी जाये। गृह मन्त्रालय यह काम करे, चीफ जस्टिस से कोई शिकायत का मौका नहीं है।

SHRI S. M. BANERJEE: Sir, you preside over so many functions. If a foreigner says some thing against the policies of the Government of India in regard to, say, Vietnam or Bangla Desh, is it not your duty to clear such a misunderstanding? The Chief Justice has not done anything.

MR. SPEAKER: Don't bring in this. I want to make it clear that such institutes invite scholars of all shades of opinion. Whether it is the Chief Justice or the Speaker or whoever it may be who presides, how can they know that somebody will come with this view or that view? Some express certain views which are acceptable. Somebody else comes and express views which are not acceptable At another time, another man may contradict it. Kindly don't bring in these matters.

SHRI INDRAJIT GUPTA: After the event, it is the Home Ministry which should be concerned about it. Talks are going on with Bangla Desh and he is trying to queer the pitch. (*Interruption*).

श्री मुख्तियार सिंह मलिक: स्पीकर साहब, इस हाउस के सेन्स को देखते हुए आप अन्दाजा लगा सकते है कि यह जो रजाकार या दूसरे ऐसे एक्सट्रिमिस्ट एलिमेन्ट्स बंगला देश से यहां हमारे देश के अन्दर आ रहे हैं वह मसला कितना पेचीदा है और साथ में हमारे लिए कितना चिन्ताजनक है। हमें मिनिस्टर साहब का जो जवाब मिला हैं इस हाउस के अन्दर उसमे उन्होंने बहुत लाइटहार्टेड वे में इसको लिया है। मुझे बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि कितने दिनों से अखबारात मे ये सारी बातें आ रही हैं, क्या हमारी होम-मिनिस्ट्री की नोटिस में सारी चीजों की प्रेस कटिंग्ज भी आती रही है या नहीं? यहां पर एक बिहार की बाबत ही जवाब दिया गया है। 1806 की फीगर को अठारह और छः, इस तरह से कर दिया। झा साहब का स्टेटमेन्ट था अखबार में कि आर्म्ड रजाकार पकड़े गये हैं लेकिन इन्होंने कहा है कि उनके पास कोई हथियार बरामद नहीं हुए। मैं वजीर साहब से पूछना चाहता हूं आया उनकी नोटिस में पहले प्रेस कटिंग्ज की मार्फत यह बात लाई गई या नहीं जैसे कि आज मध्य प्रदेश की बाबत कहा गया, राजस्थान की बाबत अखबारात मे आया, आसाम, बंगाल, गुजरात, बिहार—देश के कितने ही प्रदेशों में ये लोग आ रहे है, तो क्या उन्होंने इस चीज की भी तहकीकात करने और उन प्रदेशों से पूछने का यत्न किया या नहीं उनसे कोई इंक्वायरी की या नही?

स्पीकर साहब मैं पूछना चाहता हूं क्या कोई दूसरा दबाव, किसी वेस्टेड इन्ट्रेस्ट्स का, किसी दूसरे मुल्क का हमारी गवर्नमेन्ट पर नहीं है कि बिहारी मुस्लिम्स जो पाकिस्तान के साथ कोलैबोरेट कर रहे थे बगला देश के अन्दर उनको लेने के लिए हमारी गवर्नमेन्ट को मजबूर किया जा रहा हो, कि बिहारी मुसलमानों को यहा हिन्दुस्तान मे वापिस ले लिया जाये? बात मेरी समझ में नहीं आती, यह ठीक है कि काल अटेंशन के जरिए बिहार की बाबत यहां पर बात आई लेकिन दूसरे प्रदेशों के बारे में भी, जैसा मैंने अर्ज किया कि अखबारात मे आता रहा और उससे पता चलता है कि कितने ही प्रदेशों में यह मामला है। यह रजाकारों का मामला कोई नया नहीं है। यह बीमारी तो जबसे हिन्दुस्तान की तक्सीम हुई उस वक्त से है। इन लोगों ने कितने ही मजालिम किए, कितने ही लोगों ने खून किए, कितनी ही औरतों की अस्मत लूटी और उसके साथ साथ जब भी पाकिस्तान ने हिन्दुस्तान में शरारत करने की कोशिश की तो यह रजाकारों की जमात उसमें सबसे आगे रही। तो मैं जानना चाहता हूं आया उनकी नोटिस में यह चीज है या नहीं कि ये अलबदर और रजाकार बंगला देश के आजाद होने के बाद हाइड आउट्स में गए और यह अन्दाजा था कि कभी भी वे हिन्दुस्तान में आ जायेंगे?

स्पीकर साहब, हमने देखा है कि हमारे

बार्डर्स जो बगला देश के साथ लगते है वहा पर किसी किस्म की कोई चेकिंग नही थी, कितने ही लोग इधर उधर आ जा सकते थे बड़ी आसानी के साथ। तो मै मिनिस्टर साहब से पूछना चाहता हू कि यह जो बगला देश से बिहारी मुसलमान या रजाकार हिन्दुस्तान मे आने शुरू हुए, यह सबसे पहले कब उनकी नोटिस मे आया ? मार्च के महीने मे उन्होने बताया है लेकिन शायद उससे पहले भी वे आ रहे हो। इसके बारे मे मैं मिनिस्टर साहब से गुजारिश करूगा कि वे इस हाउस को डार्कनेस मे रखने की कोशिश न करे बल्कि वाजे तौर पर साफ-साफ बताये कि दूसरी स्टेट्स की क्या पोजीशन है ? क्या उनके बारे मे भी आपके पास कोई इत्तला है या नही और क्या होम मिनिस्ट्री ने दूसरी स्टेट्स की पोजीशन भी जानने की कोशिश की है या नही ?

श्री कृष्ण चन्द्र पन्त माननीय सदस्य ने पूछा है कि अखबारो से इसके बारे मे कई दफे खबरे निकली है तो आया हम उनको देखते हैं या नही देखते है। गृह मन्त्रालय अखबार की सूचना भी देखता है और अपने भी उसके स्रोत है।

जहा तक देश की सीमाओ का प्रश्न है उन सीमाओ की रक्षा करना ताकि कोई अनधिकृत रूप से सीमा पार करके हमारी ओर इधर न आ सके इसके लिए हमारी सरकार हमेशा चौकन्नी रहती है विशेषकर आज की परिस्थितियो मे या पिछले दिनो की परिस्थितियो मे सरकार विशेष तौर पर सतर्क रही। चूकि यह बातें पहले से ही उठी इसलिए पहले से ही सतर्क रहे।

अब जहां तक कि उन्होंने झा साहब के वक्तव्य का सवाल उठाया तो बिहार सरकार ने ही यह जानकारी दी है और वही सूचना मैंने यहा पर दे दी है। हमारी यहा कोई अपनी सूचना नही है। बिहार सरकार ने जो सूचना दी वही सूचना हमने सदन के सामने रख दी है। इसलिए मै झा साहब के वक्तव्य के बारे मे कुछ अधिक नही कह सकता। मै तो बिहार सरकार ने जो सूचना दी है वही मैं माननीय सदस्यो के सामने रख सकता हू।

जहा तक किसी दूसरे देश का दबाव हम पर पड़ने का सवाल है यह गलत और बेबुनियाद तो है ही लेकिन मै माननीय सदस्य को यह सुझाव दूगा कि आज देश मे जो एक आत्म-विश्वास की लहर दौड़ रही हैं उसके अनुरूप यह अपने दिल को मजबूत करे। वह हमशा इस सदेह मे न आयें कि किसी के दबाव मे पड़कर सरकार काम करेगी। वह एक आत्म-विश्वास की भावना उनमे भी आ जाय यही मै चाहता हू।

जहा तक यह प्रश्न है कि कब से रजाकार लोग आना शुरू हुए तो यह तो लड़ाई देश मे छिड़ने के पहले भी आये थे और लड़ाई के दरमियान भी आये और जब सरेडर हुआ उस वक्त भी और उसके बाद भी वह लोग आये। कई महीनो से वह चले आ रहे हैं लेकिन वह गिरफ्तार हुए। रजाकारो के अलावा माननीय सदस्य ने गैर बगाली मुसलमानो का प्रश्न भी पूछा तो उसके बारे मे मैने यहा पर एक वक्तव्य दिया था जोकि एक कौलिंग अटैंशन नोटिस के जवाब मे था और उस अवसर पर मैंने वह सब आकडे भी पेश किये थे।

SHRI D K PANDA (Bhanjanagar) : A feeling is created that all non-Bengali Muslims are *razakars* So, is the Government going to screen them and make a distinction between innocent non-Bengali Muslims and the real Pakistani *razakars* ?

Secondly, one of the international organisations, sponsored by American imperialists and their agencies here, has started a campaign that the non-Bengali Muslims in Bangla Desh are being harassed there and are being forced to leave Bangla Desh. I wish to know whether this fact has been brought to the notice of the Government of Bangla Desh by our Government through our envoy, Shri D. P. Dhar, who is said to have gone there now for discussions.

Another friend of ours has already drawn the attention of Government to the reported speech of Professor L. C. Green, made in a meeting at the Indian Law Institute at Delhi.

[Shri D. K. Panda]

presided over by the Chief Justice, who happens to be the *ex-officio* President of that organisation. I want to know specifically whether the Government has already brought this matter to the Government of Bangla Desh and whether any steps are going to be taken as far as such things are concerned.

SHRI K. C. PANT : I do not know what is there to bring to the notice of the Government of Bangla Desh. Any propaganda that the Bangla Desh Government is harassing the non-Bengali Muslims there, has been strongly refuted by the Bangla Desh Government itself time and again. Their leader, Sheikh Mujibur Rahman, the Prime Minister, has often made statements that the basis of the Bangla Desh polity is that every citizen there will get equal treatment. It is for everyone living in Bangla Desh to respond to the spirit of that statement and be in tune with the aspirations of the leadership and the people of Bangla Desh. This is as necessary as it is for the Government there to take the attitude of giving equal treatment to all. It is a two-way traffic, I am sure, this House and this country stands solidly behind the Bangladesh Government in its efforts to evolve such a policy.

SHRI D. K. PANDA : My second question remains unanswered and that is, whether you are going to screen the real Razakars from the innocent non-Bengali Muslims.

SHRI K. C. PANT : Any person who comes to our country without authorised travel documents is arrested. That is the clear position.

श्री शशि भूषण (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों अखबारों में जो रजाकारों के बारे में खबरें बराबर आ रही है तो मैं जानना चाहता हूं कि उसके पीछे किसका हाथ है ? एक तरफ तो बंगला देश बनने के बाद बंगला देश मे जो बिहारी मुसलमान हैं उनको बचाने के लिए हमारे देश में एक सम्मेलन हुआ और वह एलैक्शन के दौरान में हुआ। पता नहीं सी आई ए ने यह किया और यह आवाज लगाई गई कि बिहार के मुसलमानों को बचाया जाय और वह सम्मेलन किया गया। वहां तो इस देश में रजाकारों का खतरा दिखाई देता है और उनके देश में हिन्दू रजाकारों का खतरा दिखाई देता है। उसके पीछे कौन सी एजेंसी है यह मैं जानना चाहता हूं ? खास तौर से हिन्दुस्तान के जो रजाकार थे उनको हैदराबाद में हमारे पुलिस ऐक्शन ने समाप्त कर दिया। जो बंगला देश के रजाकार थे उनको भारतीय सेना ने ठिकाने बैठा दिया और अब श्री मुजीबुर रहमान के बंगला देश में रहते वहां पर कोई गड़बड़ नहीं कर सकता है। वहा के एक्सटरनल एफेयर्स के मिनिस्टर ने कहा है कि बिहार के मुसलमान बहुत अच्छी तरह से बंगला देश मे सुरक्षित है। उन्हें तो कोई चिन्ता नही है लेकिन सारे विश्व में इस प्रकार का एक प्रोपेगेडा किया जा रहा है कि बंगला देश मे बिहारी मुसलमानों को खतरा है। यह भी कहा जा रहा है कि रजाकारों के पास हथियार है और वह हिन्दुस्तान में आ रहे है। इस ढग से वह एजेंसी एक भय का वातावरण पैदा करती है कि गुजरात से मुसलमान आ गये, कच्छ मे मुसलमान आ गये, यहां से आ गये और वहां से आ गये। अब भारत हमारा इतना बड़ा राष्ट्र है, दुनिया की हम चौथी ताकत हैं और हम यह दो, चार इक्के-दुक्के आने वालों की क्या पर्वाह कर सकते हैं। मैं वह जानना चाहता हूं कि चाहे वह हिन्दू रजाकार हों, चाहे वह मुसलमान रजाकार हों, चाहे विदेशी एजेंसी हो, मैं आर एस एस का जिक्र नही करता हूं, लेकिन आप खुद समझ लीजिये, बाकी मैं यह कहना चाहता हूं कि आज दोनों में कोई अन्तर नहीं है। हिन्दू रजाकार और मुसलमान रजाकार में कोई फर्क नहीं हैं। उन्होंने इस देश को बांट दिया। वह दोनों ही एक इशारे पर चलते हैं चाहे यहा चलें चाहे वहां चलें। यहां उनके बचाने के लिए सम्मेलन होता है। वह समझते हैं कि हमारा देश बुला रहा है कि चले आयें। एक तरफ तो उनको बुलाते हैं और उसके बाद देश के अन्दर के रजाकार शोर मचाते हैं कि वह आ गये, वह आ गये। अब इस चीज से देश को होशियार रहना चाहिए। मैं मन्त्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि जो हिन्दुस्तान के रजाकार हैं चाहे उनको आर एस एस कह

लीजिये या बिहारी मुसलमान, इन दोनों में क्या फर्क है ? इस तरह से यह जो एक देश के बीच में प्रोपेगैंडा करके एक भय का वातावरण पैदा करते है उसको दूर करने के लिए मंत्री महोदय क्या कदम उठा रहे है ?

श्री कृष्ण चन्द्र पन्त : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य से सहमत हूं कि चाहे इस सदन में यह सवाल हो और चाहे कहीं हो जो भी इस विषय पर कुछ बोलता है या लिखता है उसको तैयार रहना चाहिए, हर प्रकार से सावधान रहना चाहिए ताकि किसी तरह से भी कोई देश मे एक भय और आतंक का वातावरण पैदा न हो। इससे पहले भी यहा सदन मे दो बार कौलिंग अटेंशन नोटिस लिये गये और जो कुछ भी सूचना मेरे पास थी वह सारी सदन के सामने मैंने रख दी। मुझे आशा है कि जब उसके बारे में हमारे द्वारा एक अधिकृत सूचना रख दी गई है और उसके आधार पर यह मालूम हो गया जैसाकि अभी माननीय सदस्य ने कहा भी कि इक्के दुक्के लोग ही आ रहे है तो फिर उसे बढ़ाना घटाना अच्छा नही है क्योंकि उससे वातावरण खराब होता है।

श्री अटल बिहारी बाजपेयी : मंत्री महोदय जब भी कोई इस तरह की खबर आये तो उसे कट्रेडिक्ट करते रहे।

12.39 hrs.

PUBLIC ACCOUNTS COMMITTEE

Thirty-sixth Report

SHRI SEZHIYAN (Kumbakonam) : I beg to present the Thirty-sixth Report of the Public Accounts Committee regarding Appropriation Accounts (Civil) 1969-70 and Report of Comptroller and Auditor General of India for the year 1969-70, Central Government (Civil) and Audit Report (Civil) 1970 relating to the Ministry of Shipping and Transport.

PROF. MADHU DANDAVATE : (Rajapur) : I had given a privilege motion. I would like to know what is happening about this.

MR. SPEAKER : Which one ?

PROF. MADHU DANDAVATE : Regarding agreement.

MR. SPEAKER : I have sent that to the Minister. That is not privilege. That is under Direction 115.

12.40 hrs

DEMANDS* FOR GRANTS, 1972-73 —*contd.*

Ministry of Home Affairs

MR. SPEAKER : The House will now take up discussion and voting on Demand Nos. 37 to 51, 118 and 119 relating to the Ministry of Home Affairs for which 8 hours have been allotted.

Hon. Members present in the House who are desirous of moving their cut motions may send slips to the Table within 15 minutes indicating the serial numbers of the cut motions they would like to move.

Demand No. 37—Ministry of Home Affairs

MR. SPEAKER : Motion moved :

"That a sum not exceeding Rs. 1,39,76,000 be granted to the President *to complete* the sum necessary to defray the charges which will come in course of payment during the year ending the 31st day of March, 1973, in respect of 'Ministry of Home Affairs'."

Demand No. 38—Cabinet

MR. SPEAKER : Motion moved :

"That a sum not exceeding Rs. 70,60,000 be granted to the President *to complete* the sum necessary to defray the charges which will come in course of payment during the year ending the 31st day of March, 1973, in respect of 'Cabinet'."

Demand No. 39—Department of Personnel

MR. SPEAKER : Motion moved :

"That a sum not exceeding Rs. 3,84,61,000 be granted to the President *to complete* the sum necessary to defray the charges which will come in course of payment during the year ending the 31st day of March, 1973, in respect of Department of Personnel'."

---

*Moved with the recommendation of the President.